आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा सौभाग्य

अम्बानी और पीरामल परिवार का अभिनन्दन

ईशा-आनन्द के पाणिग्रहण से पूर्व अम्बानी परिवार ने कराया सेवामहातीर्थ में दिव्यांग बच्चों को स्नेह भोज

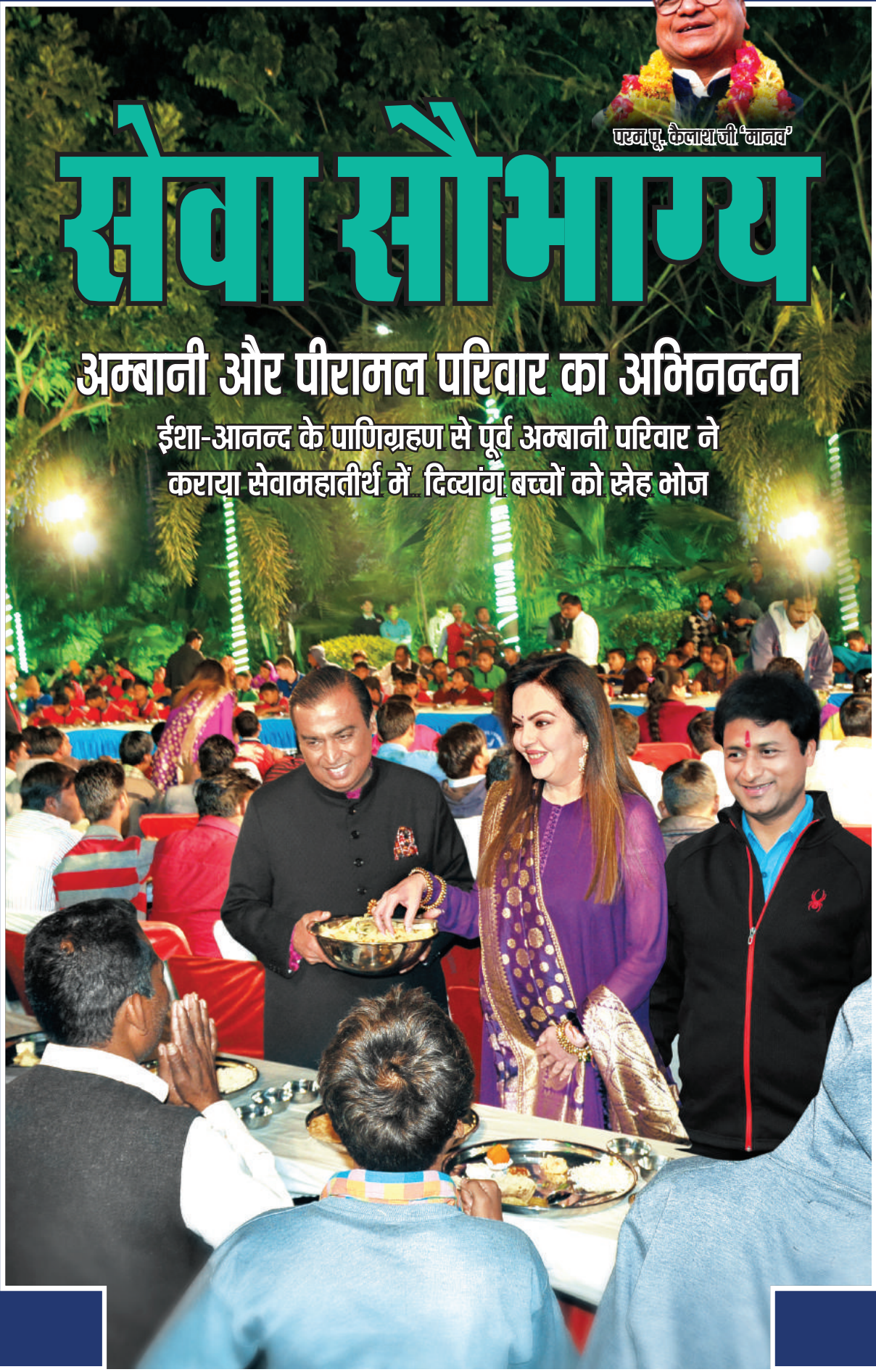

मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-08 ● अंक » 86 ● मुद्रण तारीख » 1 जनवरी-2019 ● कुल पृष्ठ » 24

खुशियों के पल आपके संग

जी हाँ, इन दिव्यांग जोड़ों को अपना आशीर्वाद देने ज़रूर-ज़रूर पधारें

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोषाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवा सौभाग्य
1 जनवरी, 2019

वर्ष 08 अंक 86 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 24

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

सेवा परमो धर्म ट्रस्ट
हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : 0294-6655555
फेक्स नं. : 0294-6655570
मो नं. : 09929777773

Web » www.spdtrust.org
E-mail » info@spdtrust.org

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

शिक्षा सहयोग — प्रकाश के सपनों को मिलें पंख

06

अन्य स्तंभ

- अपनों से अपनी बात 04
- सेहत के लिए स्वास्थ्य वर्धक 'सेब' 05
- स्पाइनल कोड सर्जरी में मदद 06
- संतोष का पर्याय प्रसन्नता 07
- दिल्ली में दिव्यांग रैम्प वॉक 08

उड़ान — अलवर में दिव्यांग टैलेंट व सम्मान समारोह

10

- जीवन बदल सकती है आईटी 09
- अम्बानी का अभिनन्दन 11
- न्यायिक अधिकारियों का स्वागत 12
- आईएसटीएम ग्रुप का पदार्पण 13
- समन्वय के प्रतीक हैं, शिव 14
- झीनी-झीनी रोशनी (2) 15

सहायता — आपश्री की प्रतीक्षा में.....

17

- परिणय सूत्र में बंधा निर्धन जोड़ा 16
- दानवीर भामाशाहों का आभार 16
- शिविर सहयोग 18
- दान सहयोग हेतु अपील 17
- संस्थान के आश्रम 21
- संस्थान के बैंक एकाउण्ट नम्बर 23

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

सेवा ही बड़ा धर्म

'परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई' गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार पीड़ित की सेवा सबसे बड़ा धर्म है और दूसरों को दुख पहुंचाने के समान कोई पाप नहीं है।

गुरू नानकदेव जी शिष्य मर्दाना के साथ एक गांव में पहुँचे। गांव के बाहर एक झोंपड़ी में कुष्ठ रोगी रहता था। लोग उससे घृणा करते। कोई भी उसके पास नहीं जाता। कभी कोई उसे भोजन दे जाता अन्यथा भूखे रहना ही उसकी नियती थी। गुरू नानकदेव जी झोपड़ी में गए और पूछा- भाई, हम आज रात तुम्हारी झोंपड़ी में रूकना चाहते हैं? अगर तुम्हें कोई परेशानी ना हो तो। यह सुनकर वह हैरान हो गया, क्योंकि उसके पास कोई आना ही नहीं चाहता फिर ये कैसे उसके पास रूकने को तैयार हुए? वह सिर्फ उन्हें देखता रहा। उसके कोढ़ ग्रस्त अंग में कुछ बदलाव आने लगे। नानकदेव जी ने मर्दाना को रबाब बजाने को कहा और उन्होंने कीर्तन आरंभ कर दिया। कोढ़ी ध्यानपूर्वक सुनता रहा। जब कीर्तन समाप्त हुआ, तो उसने गुरूजी के चरण स्पर्श किए। गुरू नानकदेवजी ने उससे पूछा- भाई, कैसे हो? गांव के बाहर झोंपड़ी क्यों बनवाई है? उसने उत्तर दिया- मैं बहुत बदकिस्मत हूँ। मुझे कुष्ठ रोग है, कोई मेरे पास नहीं आता। कोई मुझसे बात नहीं करता। अपनों ने भी मुझे घर से निकाल दिया। मैं दुर्भाग्यशाली और धरती पर बोझ हूं। गुरू नानकदेव जी ने कहा-बोझ तुम नहीं वे लोग हैं जिन्होंने पीड़ित पर भी दया नहीं की और अकेला छोड़ दिया। आओ मेरे पास, मैं भी तो देखूँ, कहाँ है कोढ़? जैसे ही गुरूनानकदेव जी ने उसके हाथों और पीठ को सहलाया, वह पूरी तरह से स्वस्थ हो गया। इस चमत्कार से अभिभूत वह गुरूजी के चरणों में गिर पड़ा। उन्होंने उसे उठाकर गले लगाते हुए कहा- प्रभु का स्मरण और लोगों की सेवा करो, यही मनुष्य के जीवन का प्रमुख कार्य है। उसके पश्चात् वह अन्य कोढ़ियों की सेवा में लग गया और ऐसी ख्याति पाई कि सभी उसका आदर करने लगे।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

पाप का व्यापार

व्यसन के साधन तन-मन-धन तथा परिवार के लिए घातक हैं, फिर भी इनका प्रयोग लोग धडल्ले से करते हैं। ईश्वर ने जो होंठ, प्रार्थना-कीर्तन और हाथ, पूजा करने के लिए दिये हैं, उन्हें व्यसनों का आदी मत बनाइये।

एक बार महाकवि कालिदास घूमते-घूमते बाज़ार गए। बाज़ार में भीड़-भाड़ थी। उन्होंने देखा कि एक महिला एक बड़ा-सा मटका और कुछ प्याले अपने पास रखे हुए ग्राहकों को जोर - जोर से आवाज देकर बुला रही थी। कालिदास महिला के पास गए और पूछा- तुम क्या बेच रही हो?

महिला ने सहजता से उत्तर दिया- महाराज मैं पाप बेच रही हूँ। महिला का उत्तर सुनकर कालिदास चौंक गये और बोले- पाप और वह भी मटके में! महिला ने उत्तर दिया- हाँ महाराज जी, मटके में पाप है। कालिदास ने पुनः पूछा- कौनसा पाप है मटके में? तब महिला ने उत्तर दिया- मटके में आठ पाप हैं। मैं आवाज लगाती हूँ कि पाप ले जाओ, पाप ले जाओ और लोग रूपये देकर पाप ले जाते हैं। महिला की बात सुनकर कालिदास और अधिक अचम्भित हो गए और बोले- यह कैसी बात है कि लोग रूपये देकर पाप खरीदते हैं। महिला ने कहा- लोग पैसे देकर आठ तरह के पाप ले जाते हैं। अब कालिदास ने पूछा- कौनसे आठ पाप? महिला ने उत्तर दिया- क्रोध, बुद्धि नाश, पुण्य का नाश, स्वास्थ्य का नाश, धन का नाश, पत्नी और संतान के साथ अत्याचार, चोरी, असत्य आदि दुराचार रूपी पाप भरे हैं इसमें। महिला की बात सुनकर कालिदास को कौतूहल हुआ कि मटके में इस प्रकार के आठ पाप भी हो सकते हैं। उन्होंने महिला से पूछा- अन्ततोगत्वा, इसमें है क्या? तब महिला ने कहा- इसमें मदिरा (शराब) है। कालिदास महिला की कुशलता पर चकित रह गए। मदिरा में वास्तव में पाप होते हैं, यह बात तुम अच्छी तरह से जानती हो और तुम यह बात कहकर बेचती भी हो, लेकिन फिर भी लोग रूपये देकर इसे ले जाते हैं। यह तो लोगों की नासमझी है।

मौसम का फल

सेहत के लिए स्वास्थ्य वर्धक 'सेब'

फल कुदरत की एक अनुपम भेट है। फलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। यह हमारी क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होते हैं। इन्हीं फलों में से एक है सेब। सेब गुणों की खान है। यदि प्रतिदिन एक सेब खाया जाए तो डाक्टर को बुलाने की जरुरत नही पड़ती। सेब कई किस्मों में पाया जाता है। इसमें विटामिन ए, बी व सी प्रचुर मात्रा में होते हैं। सेव शक्तिवर्धक है। इसके प्रयोग से हृदय, मस्तिष्क, आमाशय व यकृत को बल मिलता है। बीमार लोगों को और बीमारी के बाद भी डॉक्टर सेब का अधिक सेवन करने की सलाह देते हैं।

रोजाना एक सेब खाने से व्यक्ति को कब्ज नहीं होता। क्योंकि सेब का रस पाचन शक्ति को तेज करता है। इससे दांत भी मजबूत रहते हैं। गठिया रोग में सेब अत्यंत लाभदायक है। ज्वर, पथरी , सिरदर्द, शारीरिक कमजोरी, सांस की बीमारी से ग्रस्त रोगियों हेतु यह एक उत्तम फल है । सेब को दवाई के रुप में निम्न प्रकार से प्रयोग में किया जाता है।

- दिमागी कमजोरी में खाना खाने से पहले कुछ दिन तक सेब चबा- चबाकर खाएं।
- अधिक उल्टियां आने पर सेब में थोड़ा सा नमक मिलकर रोगी को पिलाएं। इससे उल्टी आना बंद हो जाती है।
- रात को सोते समय नित्य एक सेब 10 - 15 दिन तक लगातार खाएं। पेट के कीड़े खत्म हो जाएंगे। ध्यान रखें की सेब खाने के बाद पानी न पियें। सेब में थोड़ा सा नमक लगाकर खाली पेट सुबह - सुबह खाएं। इस तरह थोड़े दिन तक नियमित प्रयोग करने से पुराने सिरदर्द से मुक्ति मिलती है।
- बुखार के समय सेब का सेवन अच्छा रहता है।
- यदि आप भूख कम लगने से परेशान हैं तो कच्चे खट्टे सेब का रस निकालकर उसमें शक्कर मिलाकर एक दो कप 7-8 दिन तक पीएं भूख अच्छी लगने लगेगी।
- बिच्छू ने जिस जगह पर डंक मारा हो वहां सेब को बारीक पीसकर लेप लगाएं व उसी का थोड़ा सा हिस्सा रोगी को खिला दें। रोगी को राहत मिलेगी। यथासंभव शीध्र डॉक्टर को दिखा दें।
- सूखी खांसी होने पर सेब के रस में थोड़ी सी मिश्री मिलाकर पियें।
- सेब का रस खूनी बवासीर में लाभप्रद है। इसका रस मस्सों पर लगाने से उनमें खून आना बंद हो जाता है।
- इसके अतिरिक्त सेब मुरब्बा व शरबत के रुप में भी प्रयोग किया जाता है। इसका मुरब्बा खाने से जहां मस्तिष्क और हृदय को शांति मिलती है, वहीं नींद भी अच्छी आती है।

चिकित्सा सहयोग

स्पाइनल कोड सर्जरी में मदद

एक ओर गरीबी और दूसरी ओर बेटे की रीढ़ की हड्डी में जन्मजात गंभीर बीमारी। आठ साल बीत गए नियमित और सटीक इलाज न हो सकने के कारण बीमारी बढ़ने के साथ मां- बाप की आंखो में बहते आंसू भी सूख गए। यह हृदय विदारक स्थिति थी, मध्यप्रदेश के जबलपुर शहर में रहने वाले अजय श्रीवास के परिवार की। वे शहर की एक साउण्ड सिस्टम कंपनी में बतौर हेल्पर काम करते हुए चार - पांच हजार रुपये माहवार कमाते हैं। परिवार में सात सदस्यों का भरण - पोषण भी बमुश्किल हो पाता है। इसके बावजूद भी जहां से भी कर्ज मिला, उससे बच्चे रुद्राक्ष (8) का शहर और बाहर के विभिन्न अस्पतालों में इलाज करवाया। लेकिन इस समस्या से निजात का एकमात्र विकल्प सर्जरी था और उसके लिए मोटी राशि की आवश्यकता थी, जो इनके पास थी नहीं। तभी उन्हें किसी ने नारायण सेवा संस्थान के निशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए संस्थान में संपर्क की सलाह दी। इस पर माता - पिता रुद्राक्ष को लेकर उदयपुर आए और संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल से मिले। उन्हें अपनी आर्थिक स्थिति और अब तक के इलाज और खर्च की जानकारी दी। अग्रवाल ने रुद्राक्ष के स्पाइनल कोड की सर्जरी के लिए भामाशाहों से संपर्क कर 1 लाख 82 हजार रुपए की राशि की व्यवस्था की। जिससे सर्जरी होकर रुद्राक्ष को कष्ट से जल्द ही निजात मिलेगी।

कूल्हे के दर्द से मिली राहत

बलिया उत्तर प्रदेश निवासी आशा देवी के कूल्हे की सर्जरी में संस्थान ने दो लाख का सहयोग कर उन्हें वर्षों की पीड़ा से निजात दिलाई । आशा (25) कई वर्षों से कूल्हे में दर्द की पीड़ा झेल रही थी । कई अस्पतालों में इलाज भी करवाया लेकिन दर्द बढ़ता ही गया । पति मुन्ना यादव ने मजदूरी के पैसों से बचत एवं थोड़ा कर्ज लेकर एक बड़े अस्पताल में जाँच करवाई तो पता चला कि कूल्हे की हड्डी गलती जा रही है और सर्जरी ही इस रोग से निजात का एक मात्र विकल्प है। ऑपरेशन का खर्च दो लाख के करीब बताया गया। गरीब मुन्ना यादव पर आसमान टूट पड़ा। इतनी बड़ी राशि का इन्तजाम उसके लिए कोरा सपना था। जिसका कोई सहारा नही होता,ईश्वर उसकी मदद करते हैं। एक परिचित ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क करने की सलाह दी। दोनों पति-पत्नी उदयपुर आए और संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल को स्थिति से अवगत कराया। आशा के ऑपरेशन के लिए दो लाख की राशि स्वीकृत की गई, जिससे हाल ही में उनका सफलता पूर्वक ऑपरेशन हुआ, पीड़ा से निजात मिल गई।

शिक्षा सहयोग

प्रकाश के सपनों को मिले पंख

नाम प्रकाश था किन्तु जीवन उसे अंधकार में दिख रहा था। वह खूब पढ़कर परिवार और गांव के लिए कुछ करना चाहता था। लेकिन आर्थिक समस्या उसके इस सपने को पूरा करने में बाधक थी। ऐसे में नारायण सेवा संस्थान उसका मददगार बना और आगे की पढ़ाई का रास्ता खोलकर उसके सपनों को पंख लगा दिए। राजस्थान के उदयपुर जिले के आदिवासी क्षेत्र कोटड़ा निवासी प्रकाश बम्बुरिया ने बचपन में ही माता-पिता को खो दिया था। दादा-दादी उसकी परवरिश तो करते रहे लेकिन गरीबी और वृद्धावस्था के कारण वे न तो अपनी और न ही बच्चे की देखभाल ठीक से कर पा रहे थे। इसी दौरान संस्थान का कोटड़ा में सेवा शिविर था । जिसमें ट्रस्ट के शिविरकर्मियों द्वारा बच्चे की हालत देखकर उसे संस्थान में लाने का निर्णय लिया गया। उसे नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में भर्ती किया गया। पांच वर्ष की उम्र से प्रकाश ने संस्थान में रहते हुए अपनी ग्यारवीं तक की पढाई पूरी की। इस होनहार ने 10 वीं बोर्ड की परीक्षा करीब 73 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण की है। प्रकाश की काबिलियत को देखते हुए संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी ने बाहरवीं में अच्छे अंक हासिल करने के उद्देश्य से उसे एक जाने -माने कोचिंग सेन्टर से कोचिंग का निर्णय लिया । जिसके लिए 6500 रुपये शिक्षण शुल्क के रुप में प्रदान किए गए। ताकि वह अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर जीवन को अपने नाम के अनुरुप सार्थक कर सके।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सत्संग

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवा महातीर्थ में 20 से 24 व 25 से 27 नवम्बर तथा 5 से 7 व 10 से 13 दिसम्बर, 2018 तक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने 'श्रीराम- कृष्ण अवतार कथा'एवं सत्संग तथा संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने देश के विभिन्न भागों से निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में आने वाले दिव्यांग भाई-बहिन एवं उनके परिजनों से अपने विचार साझा किये। 'संस्कार', 'सत्संग'और आस्था भजन चैनलों पर देश भर में प्रसारित उनके विचारों को यहां संक्षिप्त रुप में प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन व श्री ओमपाल सिलन ने किया।

संतोष का पर्याय प्रसन्नता

यदि व्यक्ति का आचरण पवित्र और पुनीत हो तो जीवन ही श्रेष्ठ बन जाता है। राम-कथा श्रेष्ठ जीवन और श्रेष्ठ आदर्शों का पथ प्रशस्त करती है। जिस प्रकार पारस का स्पर्श होने पर लोहा भी सोना बन जाता है। उसी प्रकार यदि मनुष्य को सत्संग मिल जाए तो जीवन सार्थक हो जाए। रामनाम के आश्रय से सभी पापों का नाश होकर मोक्ष की प्राप्ति होती है। रामनाम के जाप से जीवन शांतिपूर्ण एवं सुखमय हो जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण चंचल जरूर थे, मगर उनका आत्मबल प्रबल था। हमें भी अपनी इच्छा शक्ति को मजबूत रखने के लिए मन में अच्छे विचारों का बीजारोपण करना चाहिए। जिससे मन जागृत होगा और जीवन को समझने का ज्ञान प्राप्त होगा। जिस व्यक्ति में थोड़े में संतुष्ट रहने की प्रवृत्ति है, वह हमेशा प्रसन्न रहता है, जबकि लोभी को कितना ही धन मिल जाए, फिर भी वह संतुष्ट नहीं होता। जीवन और परिवार में खुशी तभी आ सकती है, जब मन प्रसन्न होगा। मन तभी प्रसन्न होगा, जब आत्म संतुष्टि होगी। सत्संग का अर्थ है सत्य का संग, जो सत्य के मार्ग पर चलता है उसका समस्त जीवन सुखमय हो जाता है।

पू. कैलाश जी 'मानव'

राग को अनुराग में बदलें

अनेक उपलब्धियों के बाद भी मनुष्य का जीवन अशांत और तनाव से भरा है। वर्तमान दौर में लोगों का दृष्टिकोण बदल गया है। इसलिए आत्मचिंतन की जरूरत है। ईश्वर को देखने के लिए ज्ञान और वैराग्य की दृष्टि रखना होगा। वे सामने खड़े हैं, लेकिन हमारा विवेक काम नहीं कर रहा है। इस कारण परमात्मा के दर्शन से वंचित हैं। राग को अगर भगवान के चरणों से जोड़ दें तो वह अनुराग बन जाएगा। यदि व्यक्ति का आचरण पवित्र और पुनीत हो तो जीवन ही श्रेष्ठ बन जाता है। सत्साहित्य और सत्संग श्रेष्ठ आदर्शों का पथ प्रशस्त करते हैं।

हमारा सद्व्यवहार ही जीवन की सफलता का आधार है। 'अच्छे बनो और अच्छे कर्म करो' यह सिद्धांत सत्य के सिद्धांत पर आधारित है। किसी वस्तु के गुण-दोषों को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि सत्य-असत्य के सिद्धांत को अपने पर लागू करें। हम यह सोचें कि जब हम अच्छा करेंगे, तो अनुभव भी अच्छा होगा। गलत कार्य का परिणाम सदैव दुखदायी होता है। दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करें, जैसा कि आप अपने साथ चाहते हैं। दृष्टिकोण सदैव सकारात्मक रखें।

'सेवक' प्रशान्त भैया

विश्व दिव्यांग दिवस

दिल्ली में दिव्यांग मॉडल्स ने किया रैम्प वॉक

दिव्यांग एवं टैलेंट शो का उद्घाटन करते अतिथि

संस्थान ने किया नई दिल्ली के लाल किला के 15 अगस्त पार्क में 'दिव्यांग टैलेंट और फैशन शो' का आयोजन

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने दिखाई दिव्यांगों की महारैली को झंडी

नई दिल्ली के लाल किले में 2 दिसम्बर को कुछ अलग ही माहौल था। मौका था अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस की पूर्व संध्या पर नारायण सेवा संस्थान की ओर से दिव्यांगों के लिए आयोजित 'दिव्यांग टैलेंट और फैशन शो' का। इसमें बड़ी संख्या में दिव्यांग मॉडल्स ने हिस्सा लिया। इस दौरान दिव्यांग मॉडल्स ने व्हीलचेयर, बैसाखी, कैलीपर और कृत्रिम अंग जैसी अलग-अलग श्रेणियों में फैशन शो के चार राउंड प्रस्तुत किए। हरेक राउंड में 10 मॉडल्स प्रतिभागी थे।

समारोह की शुरुआत जन्मजात विकार से अविकसित हाथों वाली दीया श्रीमाली के स्वागत नृत्य से हुई। समारोह उस समय और परवान चढा, जब व्हीलचेयर राउंड, बैसाखी राउंड और कैलीपर राउंड के बाद लघु नाटक और समूह नृत्य पेश किए गए। रैम्प वॉक और मंच पर स्टंट दिखाने के दौरान दिव्यांग कलाकारों का आत्मविश्वास देखते ही बनता था।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल ने कहा, 'यह हैरानी की बात है कि दिव्यांगों के साथ समाज से बहिष्कृत व्यक्तियों जैसा बर्ताव किया जाता है। हमारा मानना है कि कोई भी खामी किसी व्यक्ति को वो सब कुछ हासिल करने से नहीं रोक सकती, जिसे हासिल करना उसके जीवन का लक्ष्य है। इस शो के दौरान स्टेज पर सब कुछ लाइव देखना अपने आप में एक ऐसा उदाहरण है जो दिखाता है कि हम दिव्यांगो को शारीरिक ,सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से निस्संदेह बेहतर काम कर रहे हैं। विशेष रूप से सक्षम लोगों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए यह दिन सबसे अच्छा अवसर है और हम इसे इसी तरह मनाते हैं।''

समारोह में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जो दिव्यांग लोगों के असाधारण हौसले और उनके हुनर को देखकर दंग रह गए। कार्यक्रम में संस्थान ने उन दिव्यांगों को कृत्रिम अंग भी प्रदान किए, जिनका पहले नाप लिया गया था। उन दानदाताओ का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने अक्षम लोगों की बेहतरी की दिशा में काम करने की राह में संस्थान का सहयोग किया है।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

केन्द्रीय मंत्री श्री थावरचंद जी गहलोत का अभिनन्दन करते संस्थान अध्यक्ष व दिव्याग का प्रदर्शन

दिव्यांगजन की महारैली

इससे पूर्व प्रातः 9 बजे लाल किला प्राचीर से केंद्रीय सामाजिक न्याय और सहकारिता मंत्री श्री थावर चंद जी गहलोत ने दिव्यांगों की महारैली को हरी झंडी दिखाई। जिसमें देश भर से 250 से ज्यादा दिव्यांगजनो ने भाग लिया । इस अवसर पर गहलोत ने कहा ' कि नारायण सेवा संस्थान ने मंत्रालय के साथ मिलकर दिव्यांगों के कल्याण के नए आयामों को स्थापित किया है । जिसमें निशुल्क ऑपरेशन करना, उन्हें तन से समर्थ बनाना, रोजगार देकर धन से समर्थ करना तथा विवाह कराकर सामाजिक रूप से समर्थ बनाना। संस्थान दिव्यांगो को मंच पर लाकर उनकी मन की दिव्यांगता को दूर करने में भी जुटा हुआ है ।' उन्होने बताया कि भारत में 5 जोन में नेशनल स्पोर्टस काम्प्लेक्स बनाए जा रहे हैं जिससे ओलिंपिक में दिव्यांग मेडल लाने में पीछे ना हटें। जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगों को खेल कूद में प्रशिक्षित करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। साथ ही, उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसे उत्तम प्लेटफार्म भी खड़े किए जा रहे हैं। रैली में विशिष्ट अतिथि के रुप में श्री रमेश जी गोयल ग्रुप ऑफ होटल इंडस्ट्री और उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री सत्यभूषण जी जैन भी मौजूद थे ''रैली को संबोधित करते हुए अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल ने कहा कि 'दिव्यांगों का विकास, साथ और समाज की मुख्यधारा में लाना ही हमारा कर्तव्य है। संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

पहल

दिव्यांगों का जीवन बदल सकती है आईटी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांग लोगों के कौशल विकास हेतु एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कार्ययोजना कार्यान्वित कर रहा है ताकि वे अपने रोजगार और आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ा सकें।

केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री थावरचंद जी गहलोत ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी दिव्यांग लोगों के कौशल को बढ़ाने के साथ - साथ उनके संचार कौशल और रोजगार के अवसरों में सुधार भी कर सकती है। गत दिनों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय आयोजन 'दिव्यागों के लिए वैश्विक आईटी चुनौती 2018' के समापन के अवसर पर उन्होंने कहा कि सूचना और कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी(आईसीटी) समावेशी शिक्षा प्रणाली को सुविधाजनक बनाने के अतिरिक्त उत्पादों और सेवाओं के लिए बेहतर पहुंच की सुविधा प्रदान करता है।गहलोत ने इस आयोजन में भाग लेने वाले देशों से दिव्यांग लोगों में आईटी कौशल को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया ताकि वे गरिमा के साथ स्वतंत्र जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने विकलांगों के अधिकार अधिनियम 2016 को अधिनियमित किया है। इसका उद्देश्य समावेशी समाज निर्माण है और यह यूएनसीआईपीडी और सतत विकास लक्ष्यों से प्रेरणा हासिल करता है। जिसमें कहा गया -'पीछे किसी को नहीं छोड़ना है, उनका मंत्रालय दिव्यांग लोगों के कौशल विकास के लिए इस संबंध में एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय कार्य योजना कार्यान्वित भी कर रहा है।

उड़ान

अलवर में दिव्यांग टैलेंट व भामाशाह सम्मान समारोह

अलवर में टैलेंट शो के उद्घाटन का दृश्य

नारायण सेवा संस्थान की अलवर(राजस्थान) शाखा द्वारा अग्रवाल धर्मशाला में 24 नवम्बर 2018 को संपन्न दिव्यांग टैलेंट शो में दिव्यागों के शारीरिक कौशल ने दर्शकों को चकित कर दिया। दिव्यांगजन ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए यह जता दिया कि इच्छा शक्ति मजबूत हो तो बड़ी से बड़ी बाधाओं से भी पार पाया जा सकता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामगढ़ के तत्कालीन विधायक श्री ज्ञानदेव जी आहूजा थे। अध्यक्षता अग्रवाल महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सुशील जी बंसल ने की। अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान की अलवर शाखा के अध्यक्ष श्री आर.एस वर्मा ने संस्थान के निशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने कहा कि बेसहारा ,दिव्यांग व जरुरतमंद लोगो की सेवा व सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। इस टैलेंट शो में दिव्यांगजन ने अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। उन्होंने बॉडी बिल्डिंग के माध्यम से शारीरिक सौष्ठव भी दिखाया। हौंसले से परिपूर्ण इन लोगों ने दिव्यांगता को कभी भी अपनी ज़िंदगी में अड़चन नहीं बनने दिया। इनमें से अधिकांश के पोलियो करेक्शन ऑपरेशन संस्थान के उदयपुर स्थित अस्पताल में हुए और ऑपरेशन के बाद वहीं उन्होंने स्वरोजगार के लिए मोबाइल सुधार, सिलाई एवं डिजाइनिंग, मेहंदी, कम्प्युटर, हाउस कीपिंग आदि प्रशिक्षण भी प्राप्त किए। उन दिव्यांगों ने भी कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति से प्रतिभा का लोहा मनवाया जिनके संस्थान द्वारा ही मोड्यूलर कृत्रिम अंग लगाए गए थे। संस्थान की ओर से आयोजित इस अनूठे आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि श्री अग्रवाल महासभा के मंत्री श्री विष्णुदत्त जी गोयल,डॉ एस सी मित्तल,श्री गिरिश जी गुप्ता, संस्थान की नरवाना शाखा के संयोजक श्री धर्मपाल जी गर्ग व राजगढ़ उपशाखा के संयोजक श्री खेमसिंह जी आर्य थे।

ज़ज्बे को सलाम

नृत्य गीत व शारीरिक कौशल प्रदर्शन राउण्ड में दोनों पांवों से सागर (मध्यप्रदेश) के दिव्यांग युवा जगदीश पटेल ने व्हील चेयर पर अपने हाथों की विभिन्न मुद्राओं और संतुलन के साथ जब नृत्य किया तो पाण्डाल में देर तक तालियां बजती रहीं। ऐसा ही एक और मौका तब आया जब आगरा (उत्तरप्रदेश) के दोनों पांवों से दिव्यांग योगेश ने व्हील चेयर व फर्श पर विभिन्न मुद्राओं में नृत्य प्रस्तुतियां दी। चिराग पब्लिक स्कूल, नरवाना(हरियाणा) के बच्चों ने 'भ्रूण हत्या' व 'वृद्धाश्रम' पर नाटिका की प्रस्तुति से दर्शकों की आंखों को नम कर दिया। आरंभ में अतिथियों का स्वागत-अभिनंदन संस्थान की अलवर शाखा के अध्यक्ष श्री आर. एस वर्मा , संस्थान के शाखा विभाग प्रभारी श्री राजेन्द्र सोलंकी, समारोह संयोजक श्री महेश जी दईया व श्री सुरेश जी नागपाल ने किया।संचालन ओमपाल सीलन ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

विशेष आयोजन

अम्बानी और पीरामल परिवार का अभिनन्दन

ईशानंद के पाणिग्रहण से पूर्व अम्बानी परिवार ने कराया सेवामहातीर्थ में दिव्यांग बच्चों को स्नेह भोज

अम्बानी व पीरामल परिवार के साथ संस्थापक चेयरमैन श्री मानव जी व परिवार

देश के सिरमौर उद्यमी श्री मुकेश जी अम्बानी-श्रीमती नीता जी अम्बानी की सुपुत्री सौ. कां ईशा अम्बानी की प्री वेडिंग (विवाह पूर्व) सेरेमनी 8-9 दिसम्बर 2018 को उदयपुर पैलेस व पिछोला झील किनारे एक होटल में विविध रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न हुई। जिसमें अमेरीका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की धर्मपत्नी हिलेरी क्लिंटन, हॉलीवुड-बॉलीवुड के नामचीन कलाकारों, क्रिकेटर्स, देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपतियों व राजनेताओं ने भाग लिया। ईशा व अजय-स्वाति पीरामल के पुत्र आनंद की प्री वेडिंग सेरेमनी से पूर्व 7 दिसम्बर को अम्बानी परिवार ने नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, बड़ी में दिव्यांग, निराश्रित, मूक -बधिर एवं निर्धन बच्चों को स्नेह भोज दिया। संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' सह संस्थापिका श्रीमती कमला जी अग्रवाल, अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल, निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल एवं साधकों ने मुकेश जी अम्बानी, पुत्री ईशा जी व पुत्र अनन्त जी अम्बानी व वर पक्ष के श्री अजय पीरामल जी उनकी पत्नी श्रीमती स्वाति जी व पुत्र श्री आनंद जी पीरामल सहित दोनों परिवार के सदस्यों का स्वागत किया। दोनों ही परिवारों ने संस्थान के पोलियो अस्पताल में देश के विभिन्न भागों से पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए आए दिव्यांग बच्चों व उनके परिजनों से मुलाकात की और उनके सुखद भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अम्बानी और पीरामल परिवार के प्रत्येक सदस्य ने नारायण सेवा संस्थान व संस्थापक श्री कैलाश जी मानव के पीड़ित मानवता के इस सेवा यज्ञ में अपनी ओर से भी सहयोग का आश्वासन दिया। दोनों ही परिवार संस्थान के निःशुल्क सेवा कार्यों से काफी अभिभूत हुए। उन्होंने प्रवेश द्वार पर संस्थान की दिव्यांग साधिका जया बेन द्वारा बनाई अम्बानी परिवार के मुखिया स्व. धीरुभाई अम्बानी व श्रीनाथ जी की रंगोली की प्रशंसा की। दोनों ही परिवारों ने काफी देर तक रुक कर बच्चों को स्नेह पूर्वक भोजन कराया।

बच्चों को स्नेह भोज कराते मुकेश जी व नीताजी अम्बानी

संस्थावलोकन

न्यायिक अधिकारियों ने सराही सेवाएं

➲ लियों का गुड़ा स्थित नारायण सेवा संस्थान के चैनराज सावंतराज पोलियो हॉस्पीटल का 25 नवम्बर को जिला एवं सत्र न्यायाधीश माननीय प्रभा शर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट माननीय ब्रजेन्द्र रावत व कोर्ट मेनेजर सुनील जैन ने अवलोकन किया। इससे पूर्व उन्होंने जन्मजात पोलियोग्रस्त बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी मानव की पीड़ित मानवता विशेषकर दिव्यांगजन की चिकित्सा एवं सहायता के क्षेत्र में समर्पित सेवाओं की सराहना की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती बच्चों व किशोर-किशोरियों की कुशलक्षेम पूछी। दिव्यांगों के लिए निशुल्क चलाए जा रहे मोबाइल सुधार, सिलाई, कम्प्यूटर आदि रोजगारपरक प्रशिक्षण केन्द्रों का भी अवलोकन किया। इस विशेष चिकित्सा शिविर में उत्तरप्रदेश,पंजाब,झारखण्ड, राजस्थान गुजरात,दिल्ली आदि राज्यों के बच्चों के ऑपरेशन हो रहे हैं। परिसर प्रभारी अनिल आचार्य ने उनका स्वागत किया। महिम जैन ने संस्थान के विविध सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

शिविर

असहायों को मिला सहारा

अम्बाला में कृत्रिम अंग नाप शिविर

➲ नारायण सेवा संस्थान एवं महाराजा अग्रसेन मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में 18 नवम्बर 2018 को अम्बाला (हरियाणा) के शहजादपुर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, में जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगो को सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि सीताराम नाम बैक के जिला वाईस चेयरमैन श्री रजनीश जी शर्मा ने किया। अध्यक्षता शाखाध्यक्ष श्री अजीत कुमार जी शास्त्री ने की। विशिष्ट अतिथि श्री संदीप शंकर जी, श्री अंकुर जी गोयल, श्री मुकुट बिहारी जी, श्री संजय जी गोयल, श्री अमरनाथ जी घिनामा, श्री सागर जी बंसल, श्री हरीश जी काला व सेवा प्रेरक श्री एम. वी कपूर थे। शिविर में 80 दिव्यांगो का पंजीयन हुआ। जिनमें से जोधपुर के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एस एल गुप्ता ने 10 का ऑपरेशन के लिए चयन किया तथा बैंगलोर आश्रम के पी एण्ड ओ डॉ. श्री निवास ने14 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए नाप लिए। अतिथियों ने 5 दिव्यांग को व्हील चेयर, 15 को ट्राईसाईकिल,4 को वैशाखी की जोड़ी और 06 को श्रवण यंत्र प्रदान किए। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद लढढ्ढा ने अतिथियों का स्वागत किया।

जलगांव में सहायता शिविर

➲ संस्थान एवं जलगांव (महाराष्ट्र) जिला अग्रवाल संगठन के संयुक्त तत्वावधान में 25 नवम्बर 2018 को श्री पांजरापोल संस्थान में जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए दिव्यांग जांच एवं ऑपरेशन चयन शिविर संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि समाजसेवी डॉ. एन.एस. चौहान थे। अध्यक्षता समाजसेवी श्री राजेन्द्र अग्रवाल ने की। शिविर में विशिष्ट अतिथि अग्रवाल समाज के महामंत्री डॉ सुरेश जी अग्रवाल, अग्रवाल समाज जिला अध्यक्ष श्री पवन जी मित्तल, अग्रवाल महासभा संगठन सचिव श्री हितेष जी अग्रवाल, अग्रवाल महासभा अध्यक्ष एम. एम जी अग्रवाल, शाखा संयोजक सीताराम जी अग्रवाल, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती अंशु जी अग्रवाल, महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती नैना जी अग्रवाल, अग्रवाल महिला संगठन सचिव श्रीमती सोनम निलेश जी अग्रवाल व डॉ. अमित एम. बाघले थे। शिविर में 140 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिनमें से पोलियो विशेषज्ञ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. बी. आर. शिन्दे व उनकी टीम ने जांच कर 69 का संस्थान में निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया। हरिप्रसाद लढढ्ढा व मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों का सम्मान किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आईएसटीएम ग्रुप ने देखी नारायण सेवा

➲ भारत सरकार के आईएसटीएम इन्स्टीट्यूट ऑफ सेक्रेट्री ट्रेनिंग एण्ड मैनेजमेंट के 35 सदस्यीय ग्रुप ने 26 नवम्बर को नारायण सेवा संस्थान का अवलोकन कर स्वंयसेवी संस्थाओं की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। यह समूह 83 लेवल 'ए' ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत उदयपुर आया था। जितेन्द्र भाटी के नेतृत्व में आए इस ग्रुप में केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों के सचिव स्तर के अधिकारी शामिल थे। उन्होंने निःशुल्क दिव्यांग सेवा कार्य, निःशक्त बच्चों की सेवा और रोजगार प्रशिक्षण आदि कार्यों का अवलोकन किया। ऑपरेशन के बाद स्वस्थ हुए, पूर्व पोलियोग्रस्त बच्चों व किशोर-किशोरियों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी, व सुखद भविष्य की कामना की। निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने ग्रुप के सभी सदस्यों का मानव मदिर में अभिनन्दन कर उन्हें संस्थान का स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर संस्थान साधिका वर्षा जैन, जया भल्ला व साधक हरीश शर्मा व दिलीप चौहान तथा संस्थान के ऑर्थोटिस्ट मानस रंजन साहू भी उपस्थित थे।

स्नेह मिलन

सेवा सारथियों का सम्मान

नारायण सेवा संस्थान की विभिन्न शहरों में स्थित शाखाओं के तत्वावधान में नवम्बर 2018 में आत्मीय स्नेह मिलन समारोह आयोजित किए गए। जिनमें दिव्यांगों की निशुल्क चिकित्सा एवं अन्य सेवा प्रकल्पों में सहयोगियों व दानदाताओं का अभिनन्दन किया गया।

➲ **इंदौर**

आनंद मोहन माथुर सभागृह इंदौर (म.प्र) में 18 नवम्बर 2018 को दिव्यांग टैलेंट शो एवं भामाशाह सम्मान व स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि श्री राजेश जी जोशी, श्री भागीरथ जी चौधरी, श्री महेन्द्र कुमार जी जैन, श्री कमल किशोर जी चौधरी, श्री पदमाकर सदाशिव जी, श्री जयनारायण जी चाण्डक थे। अतिथियों का स्वागत व दानदाताओं का सम्मान प्रभारी साधक श्री जितेन्द्र पटेल ने तथा संचालन श्री ओमपाल सीलन ने किया।

➲ **अलवर**

अग्रवाल धर्मशाला, अलवर (राज.) में 24 नवम्बर 2018 को भामाशाह सम्मान व स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामगढ़ श्री ज्ञानदेव आहुजा जी व विशिष्ट अतिथि डॉ. एस. सी मित्तल, श्री सुशील बंसल जी, श्री विष्णुदत्त गोयल जी, श्री खेमसिंह जी आर्य, श्री बी.डी शर्मा जी, श्री मोतीलाल जी खण्डेलवाल, श्री गिरिश जी गुप्ता, संस्था शाखाध्यक्ष श्री आर. एस वर्मा जी व प्रान्तीय प्रभारी धर्मपाल जी गर्ग थे। स्वागत श्री राजमल शर्मा ने किया।

कथा ज्ञान यज्ञ

समन्वय के प्रतीक हैं, शिव

जीव ही शिव हैं। शिव का अर्थ है कल्याण, जिन्होंने स्वयं विष पीकर मानवता को बचाया। हम भी शिव की तरह परोपकारी बनें। शिव का व्यक्तित्व हमें विविधताओं में समन्वय की सीख देता है। यह बात नारायण सेवा संस्थान की ओर से बरेली में 16 से 21 नवम्बर तक हुई श्री शिव महापुराण कथा में व्यासपीठ से श्री दीपक कृष्ण शंखधार महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि समाज में अनीति, अन्याय का विरोध कर सत्य के पक्ष में खड़े होना ही शिवत्व के मार्ग पर चलना है। उनकी जटा में जहां जल की प्रतीक गंगा है, वहीं अग्नि के प्रतीक त्रिनेत्र भी हैं। भगवान शिव थोड़ी सी भक्ति से ही प्रसन्न होकर भक्तों को सिद्धियां प्रदान करते हैं। शिव पुराण के श्रवण से भक्ति, भक्ति से प्रेम, प्रेम से सद्भाव और सद्भाव से भेदभाव मुक्त समाज का सृजन होता है। अज्ञान, अहंकार और पाशविक प्रवृत्तियों का नाश करने के लिए शिव पुराण जैसे ग्रंथों का मनन और मंथन जरूरी है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सत्संग चैनल पर किया गया। संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

जहां सद्बुद्धि, वहीं सतयुग

चरित्र तभी शुद्ध होगा जब मन शुद्ध हो,जब चरित्र शुद्ध होगा तो ईश्वर की प्राप्ति सहज हो जाएगी। अगर ज्ञान मार्ग से व्यक्ति भटक जाए तो उसका जीवन निरर्थक बन जाता है। यह बात नारायण सेवा संस्थान की ओर से इंदौर में 9 से 15 नवम्बर तक हुई भागवत कथा में व्यासपीठ से डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में जो बुराइयां हैं वे भागवत कथा श्रवण से दूर होंगी। वासनाओं के रहते भी प्राणी कभी प्रभु का सिमरन एवं सुख प्राप्त नहीं कर सकता। वासनाओं का त्याग ही परम सुख की प्राप्ति व मोक्ष देने वाला है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर किया गया। संचालन निरंजन शर्मा ने किया।

जीव मात्र के कल्याण की सोचे, वही संत

जीवन का हर फैसला भगवान पर छोड़ दें। वह हर समय आपकी रक्षा करेंगे। ईश्वर के सामने अपनी इच्छाएं रखें , लेकिन समय तय न करें। भक्ति में विश्वास कमजोर नहीं होना चाहिए। यह बात नारायण सेवा संस्थान की ओर से दिव्यांगों की निःशुल्क चिकित्सा के लिए चम्पारण (बिहार) में 2 से 4 दिसम्बर को आयोजित ''नानी बाई रो मायरो कथा''के समापन पर व्यासपीठ से राधास्वरुपा जया किशोरी ने कही। उन्होंने कहा कि जिस मनुष्य ने जन्म लेकर भी साधना, प्रभु भक्ति से विद्या, विनम्रता, दान, धर्म और सदाचार जैसे गुणों को नहीं अपनाया। ऐसा मनुष्य पशु के समान है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सत्संग चैनल पर हुआ। संचालन कुंज बिहारी मिश्रा ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (2)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन परमपूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का माता-पिता श्रीमती सोहनी देवी जी व मदनलाल जी अग्रवाल के सेवा-संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय और उदाहरणीय है। संकल्पित और समर्पित सेवा धर्म ने उन्हें सामाजिक व धार्मिक सेवा क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित किया। जिनमें भारत सरकार द्वारा पद्म (पद्मश्री) एवं संत समाज द्वारा 'आचार्य महामण्डलेश्वर' सम्मान भी शामिल है। बचपन से ही सेवा के संस्कारों से पल्लवित कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' नामक पुस्तक में अत्यन्त सहज, सरल और भाव प्रणव भाषा में लिखा है।

घर में लकड़ी का चूल्हा था, मां उसी के पास बैठकर खाना बनाती। बच्चों को आवाज दी तो एक - एक कर सब आ गये। सब अपनी - अपनी थाली कटौरी लेकर जमीन पर बैठ गये। कैलाश भी कहां पीछे रहते उन्होंने भी कटौरी को थाली के साथ जोर -जोर से बजाना शुरु कर दिया, देखा- देखी अन्य बच्चे यही करने लगे तो ऐसा शोर मच गया कि सोहनी बाई को इन्हें डपटना पड़ गया। पहले ही चूल्हे से उठते धुंए से उनकी आंखों का बुरा हाल था। एक हाथ में साड़ी का आंचल लिए आंखे पोंछ रही थी तो दूसरे हाथ से तवे पर रोटी पलट रही थी।

अभी रोटी तवे से उतरी ही नहीं थी कि कैलाश जिद करने लगा पहली रोटी मेरी । भूख तो सबको लग रही थी, अब सभी यही राग अलापने लगे और कुछ देर पूर्व थमा थाली कटौरी का शोर फिर गुंजायमान हो गया।

सोहनी बाई ने सबको शांत करते हुए कैलाश से कहा- तू तो समझदार है यह पहली रोटी तो गाय माता की है, दूसरी जल्दी उतर जाएगी, एक - एक करके तुम सबको दे दूंगी, जल्दी मत करो। वे रोटी बेलने लगी और गीता का पाठ सुनाने लगी। सब बच्चे चुपचाप मां की बात सुनने लगे। कैलाश को लगता था उसकी मां बहुत पढी लिखी है तभी तो ऐसी बातें बताती है।

एक दिन कैलाश ने सोहनी से पूछ ही लिया- मां ! तू कहां तक पढी है।सोहनी बाई हंस कर बोली - पहले बच्चों को कहां पढाते थे, पहली , दूसरी तक पढी हूं, बस। कैलाश बोल उठा फिर आपको गीता कैसे याद हो गई। वे बोली- तेरे बापूजी बोलते हैं ना, उन्हें सुन सुन कर याद हो गई। एक बार घर में कुछ मेहमान आने वाले थे। हलवा , पूड़ी , लड्डू समेत अच्छे - अच्छे व्यंजन बने थे। मेहमान अभी आये नहीं थे, तभी सोहनी बाई ने कैलाश को आवाज दी और जल्दी से घर पर आई बाईयों को बुलाने के लिए कहा । कैलाश तुरंत उन्हें बुला लाया । सोहनी जी ने सबको आंगन में बिठाते हुए कहा- पहले आप सबको जीमा देती हूं । बाईयां यह सुन हतप्रभ रह गई। एक पूछ बैठी मेहमान तो अभी तक जीमे ही नहीं, आप हमें पहले क्यों जीमा रही हो? कहीं मेहमानों हेतु मिठाई कम पड़ गई तो....सोहनी देवी उसकी बात काटते हुए बोली - मेहमान भगवान होता है और क्या भगवान आप में नहीं ? कैलाश यह सब चुपचाप सुन रहा था । मगर मां ने आगे जो बात कही वह उसके बाल मन को छू गई - मेहमान आने के बाद आपको कोई पूछेगा भी नहीं, आप तो ढेर सारे बर्तन ही मांजते रह जाओगी, भूख तो सबको लगती है इसलिए आप धाप कर भोजन करो।

क्रमशः

परिणय

हमसफ़र बना निर्धन जोड़ा

➲ नारायण सेवा संस्थान की ओर से हरिद्वार में श्रीमद् भागवत कथा के दौरान एक निर्धन जोड़े का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया गया। कथा के अन्तिम दिवस कनखल- हरिद्वार शिवपुरी कॉलोनी निवासी साक्षी का विवाह निवाशी के साथ अत्यन्त हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। प्रान्तीय प्रभारी धर्मराज गर्ग व शाखा संयोजिका अमिता शर्मा ने इस जोड़े की पारिवारिक स्थिति की संस्थान संस्थापक जी एवं अध्यक्ष जी को जानकारी देकर उनकी स्वीकृति से यह विवाह संपन्न करवाया। नव युगल को गृहस्थी का सभी सामान भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर श्री अमित गोयल, धनंजय कृष्ण, अमित राठी, नीरज वालिया, योगेश विश्नोई, सुधीर पण्डित आदि ने नवयुगल को आशीर्वाद प्रदान किया। ■

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

BANSAL WIRES PRIVATE LIMITED KANPUR (U.P.)

श्री किशनचन्द सदारंगानी
भोपाल (म.प्र.)

स्वतंत्रता सेनानी सती देवी
खरशवान (झारखण्ड)

श्री गिरिश चन्द्र श्रीवास्तव
गोरखपुर (उ.प्र.)

श्री एन.के. पाण्ड्य
राँची (झारखण्ड)

श्री माणिकचन्द सरोदे
अकोला (महाराष्ट्र)

श्री जोगेन्द्र कालरा
केनेडा

श्रीमती विद्यादे वी आनु वाली
डुमका (झारखण्ड)

श्री मयुर भाई पटेल
सूरत (गुजरात)

श्री भूषण लाल गुप्ता
निशकाम सेवा मण्डल, पंचकुला

श्री ओम प्रकाश-श्रीमती पुष्पा सक्सेना
दिल्ली

श्री एवं श्रीमती के.एल. पाहुजा
भोपाल (म.प्र.)

श्री राधा चरण-श्रीमती शान्ति देवी शर्मा
किशनगढ़ (राज.)

श्री कृष्ण कुमार-पुष्पा देवी
अहमदगढ़ (पंजाब)

श्री संदीप रूइया-श्रीमती प्रीति
मुम्बई

श्री करसन भाई पटेल, श्रीमती लक्ष्मी बेन
सूरत (गुजरात)

श्री दीपक भाई पटेल-श्रीमती नेहा बेन
सूरत (गुजरात)

श्री लीलाधर खोड़ियार-श्रीमती अनुराधा
शहडोल (म.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

Donate

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की करें मदद - बनें पुण्य के भागी

संस्थान के सभी सेवा प्रकल्पों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दानी सज्जनों की आवश्यकता है। आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

क्र.सं.	दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की संख्या	प्रति ऑपरेशन (धर्म माता-पिता)	प्रति ऑपरेशन दवाई	एक माह				सहयोग राशि (रु)	सर्वांग सेवा एक मुश्त सहयोग राशि(रु)
				भोजन	शिक्षा	हुनर	स्पोर्ट्स		
01	1	5000	1100	1500	500	400	600	9100	8100
02	2	9500	2200	3000	1000	800	1200	18200	16200
03	3	13000	3300	4500	1500	1200	1800	27300	24300
04	5	21000	5500	7500	2500	2000	3000	45500	40500
05	11	45000	12100	16500	5500	4400	6600	99500	89100
06	21	85000	23100	31500	10500	8400	12600	191100	170100
07	51	190000	56100	76500	25500	20400	30600	464100	413100

बनें नित्यदानी पालनहार भामाशाह

मासिक पालनहार भामाशाह	त्रैमासिक पालनहार भामाशाह	अर्द्धवार्षिक पालनहार भामाशाह	वार्षिक पालनहार भामाशाह

आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

'निःशुल्क दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ सामूहिक विवाह समारोह' हेतु करें सहयोग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोशाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिविर सहयोग

आपश्री अपने जन्म स्थल या कर्म भूमि पर शिविर का आयोजन कराकर पीड़ित मानवता की सेवा करें।

क्र.सं.	शिविर प्रकार	सहयोग राशि
01	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर	51000
02	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन एवं उपकरण वितरण शिविर	151000
03	विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर	500000
04	विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा शिविर	700000
05	विशाल निःशुल्क अन्न, वस्त्र एवं दवा वितरण शिविर	101000

आजीवन संरक्षक

आजीवन संरक्षक सहयोग राशि - 51000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 2 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 8 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

आजीवन सदस्य

आजीवन सदस्य सहयोग राशि - 21000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।
2- आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 3 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।
8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाई सौजन्य	21,000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-0294-6622222

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ अथवा दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति में दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु सहयोग कर इस दिन को यादगार बनायें....यह राशि संस्थान के कॉरपस फण्ड(स्थायी निधि) में जाती है, जिसके ब्याज से प्राप्त राशि से आजीवन वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग करवाई जायेगी । आपश्री स्वयं पधारकर अपने कर-कमलों से निवाला खिलायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000
02	दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000
03	एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000
04	नाश्ता सहयोग राशि	7000

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

क्र.सं.	दिव्यांग सहायक उपकरण	1 नग	2 नग	3 नग	5 नग	11 नग
01	श्रवण यंत्र	750	1500	2250	3750	8250
02	वैशाखी	800	1600	2400	4000	8800
03	वॉकर	1100	2200	3300	5500	12100
04	केलीपर	2000	4000	6000	10000	22000
05	व्हील चेयर	6000	12000	18000	30000	66000
06	तिपहिया साईकिल	7000	14000	21000	35000	77000
07	कृत्रिम हाथ/पैर	10000	20000	30000	50000	110000
08	स्कूटी	85000	170000	255000	425000	935000

एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी

(वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल, बैडमिन्टन, चैस, टेबलटेनिस)

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा उदयपुर में प्रदान करने हेतु संस्थान द्वारा एनएसएस पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा हैं जिसमें सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्राशीक्षीत कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु 27 बीघा (लगभग 9 एकड) जमीन ली गई हैं, जिसके लिए भूदानियों एवं निर्माण सहयोगियों की आवश्यकता हैं। आपश्री भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनने का सुअवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। इस एकेडमी पर तकरीबन 10 करोड़ का खर्च आना हैं। अतः भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनकर अधिक से अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रोत्साहित करायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	भूदान सहयोगी	21000 रूपये
02	निर्माण सहयोगी	51000 रूपये

दानवीर भामाशाह

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 7 वर्ष रहेगी।
2.आपश्री वर्ष में 4 बार 6 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 28 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 4 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 2 बार 3 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 10 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 5 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 3 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 15 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 3 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 4 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

नारायण सेवा संस्थान

नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी
मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड़,
शाहगंज, पो.-भांगोपुरा, आगरा (उ.प्र.)

जयपुर, चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम
के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर (राज.)

इलाहाबाद
श्री बदरी लाल शर्मा
मो. 09983674371
बिल्डिंग नं. - 191-बी/1ई, लक्ष्मी निवास
राजरूपुर, इलाहाबाद

वाराणसी
श्री रमेश चन्द लालवानी
मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, वाराणसी

राजकोट
श्री तरूण नागदा
मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी
चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं.
15/2 युनीवसीटी रोड़, राजकोट (गुजरात)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम
मो. 9316286419
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

कोलकाता
श्री प्रकाश नाथ
मो. 09529920097,
म.न.-226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुरुग्राम
श्री गणपत रावल
मो.-09529920084
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट,
राज टेलर के सामने, गुरूग्राम (हरियाणा)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

मुम्बई
श्री ललित लौहार
मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन
मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर
मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह
मो. 07073452174
एफ 1/3, हरि निकेतन सोसायटी,
सीएचएस लि., अपोजिट बसन्त1
गैलेक्सी, गोरेगांव वेस्ट, मुम्बई

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा, मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता, मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108
अनाज मण्डी, जुलाना, जींद (हरियाणा)

धनबाद (झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द
पो.-गोसाई बालिया, जिला-धनबाद

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पावोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142
उज्जवल भवन, बाड़मेर कलेण्डर
रोड़, बालोतरा

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल, मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोराले लेआउट, बस स्टेण्ड
के पास, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

नरवाना (हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग, मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना, जीन्द

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा, मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

अम्बाला केन्द
श्री मुकुट बिहारी कपूर, मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला
केन्द, अम्बाला केन्द-133001 (हरियाणा)

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता, मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी
चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा, मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा, मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर, द्वितीय
मंजिल, थेस्ट डिपो के पास, बेलासिस
रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा, मो. 08899366480
09027026890, 1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20, पार्ट-द्वितीय, सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता, मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़, वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी, न.-028847991
9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय
पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता, मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट, 5 फ्लोर, कस्तूरबा
रोड़, मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र, मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल, मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया, मो. 09418061161
जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा, मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,
झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974, 64ए ओल्ड
विजयनगर कॉलोनी, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू, नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन, मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र,
मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग (झारखण्ड)

मथुरा
श्री दिनेश चन्द वर्मा, मो. 06397016918
927एफ, गोविन्दनगर, अंगीरा
धर्मशाला के सामने, मथुरा

खरसिया
श्री बजरंग बंसल, मो.-09329817446
शान्ति डेंसेज, नियर चन्दन तालाब
शनि मन्दिर के पास, खरसिया (छ.ग.)

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड, 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता, मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल, मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, मो.-09024749075, के.वी.
पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला, मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा, मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

भोपाल
श्री विष्णु शरण जी सक्सेना, मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल, मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

अम्बाला
श्री गिरीश त्रिवेदी, मो. 7023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी, मधुर विहार, 7023101175
फेज-2, बंजारावाला रोड़, बंगाली कोठी
के पास, देहरादून-248001

रोहिणी
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8, स्वीमिंग पूल
के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

लोनी
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
साधक : धर्मेश गर्ग, 7023101156
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी
सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला,
चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास
लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार, मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास, मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी,
टीबी हॉस्पीटल के पीछे,
गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़
रोड, हाथरस (यू.पी.)

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा, बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807, गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने
करनाल रोड़, कैथल

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़
मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी
मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर
बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत
09573938038
4-7-123, लीलावती भवन
संतोषी माता मंदिर के पास,
इसामिया,बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2) न्यू डायगोनल रोड़,
भीमा ज्वेलर्स के पीछे 3-ब्लॉक,जयानगर, बैंगलूरू

इंदौर
श्री जितेन्द्र पटेल
मो. 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा,
14 कल्पना लोक
कॉलोनी, खजाना मंडी रोड़, इंदौर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली सगरामपुरा,
सब जेल के सामने,रिंग रोड,सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

इन्दौर
श्री जितेन्द्र पटेल, 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा, 14 कल्पना लोक
कॉलोनी, चन्द्रलोक रिक्शा स्टेण्ड गली, आनन्द
बाजार के पास,खजराना मैन रोड़, इन्दौर

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान
मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी,
मोक्ष मार्ग निवारू
झोटवाड़ा,जयपुर

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर
मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब
नेशनल बैंक के पीछे,आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं
भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी
'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ
समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

संस्थान के परम
संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
यूके

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

आपश्री से विनम्र अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के बच्चों को शिक्षा हेतु अपना योगदान प्रदान करें ताकि आपश्री के आशीर्वाद एवं योगदान से ये बच्चे आत्म निर्भर होकर देश के विकास में सम्मान के साथ अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

1. एक बच्चे की शिक्षा हेतु दानराशि (कक्षा के जी से बारहवीं तक 4.5 लाख रूपये)
2. एक कक्षा (20 बच्चों) की शिक्षा हेतु दान राशि 1 वर्ष के लिए 6 लाख रूपये
3. सम्पूर्ण बैच (20 बच्चों) की (केजी से बारहवीं) तक की शिक्षा हेतु दान राशि 90 लाख रूपये
4. एक बच्चे का शिक्षा, भोजन, स्टेशनरी आदि का सम्पूर्ण मासिक खर्च 3000 रूपये
5. एक बच्चे का सम्पूर्ण खर्च 36 हजार रूपये

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

Seva Soubhagya 1 January, 2019 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2017-2019. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 3,50,000) cost- Rs.5/-

कुम्भ महापर्व-2019

51 दिवसीय विशाल सेवा, भक्ति, ज्ञान एवं अध्यात्म यज्ञ शिविर

दिनांक - 7 जनवरी से 5 मार्च, 2019 **समारोह स्थल : कुंभ प्रांगण इलाहाबाद (उ.प्र.)**

- 15 जनवरी : मकर संक्रांति प्रथम शाही स्नान
- 21 जनवरी : पुष्प पूर्णिमा
- 4 फरवरी : मौनी अमावस्या द्वितीय शाही स्नान
- 10 फरवरी : बसंत पंचमी तृतीय शाही स्नान
- 19 फरवरी : माघी पूर्णिमा
- 4 मार्च : महा शिवरात्रि

आपश्री की सेवामें

- भोजन सहयोग (एक समय) : 2100/- प्रतिदिन
- 6 या 4 व्यक्ति सामूहिक आवास : 2100/-प्रतिदिन
- आवास व्यवस्था (सेपरेट) : 1500/- प्रति रुम
- डोरमेट्री : 500/- प्रतिदिन

रोगी भोजन सहयोग

- 50 रोगी प्रतिदिन-दोनों समयः- 22,000/-
- 50 रोगी प्रतिदिन-एक समयः- 11,000/-

बने यजमान

- कथा मुख्य यजमानः-1,51,000/-
- प्रसादी वितरण प्रतिदिनः- 51,000/- (भण्डारा)
- नाश्ता सहयोगः- 5,100/-
- भोजन प्रसाद यजमानः- 11000/- (एक समय)
- प्रतिदिन आरती यजमानः- 5,100/-
- व्यास पूजन यजमान प्रतिदिनः- 2,100/-

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
0294-6622222